डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 205 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | रविवार 11 मई 2025 | मूल्य 2 रुपया

कार की टक्कर से बाइक सवार दो जन घायल

गरोठ, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्र से निकल रहे 08 लेन एक्सप्रेस वे पर एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दो जन घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार गोपाल बंजारा और तूफान बंजारा मेलखेडा में काम करने के बाद बाइक से अपने गांव बंजारी लौट रहे थे। इसी दौरान एक्सप्रेस वे पर प्रवेश के दौरान एक कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मंदसौर के बड़े अस्पताल रेफर किया गया।

पेयजल योजना: टेस्टिंग का तनाव, बीस दिन देरी से होगी

दूसरे दिन भी खुले रहे गांधी सागर के पांच गेट

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। शनिवार को भी गांधी सागर के पांच छोटे गेट खुले रहे। इससे प्रति सेकंड 89 हजार क्यूसेक मी. पानी छोडा जा रहा है। इस तरह 4 दिन में गांधीसागर बांध से 892 मिलियन घन मीटर पानी छोडा जाएगा। इससे बांध का जलस्तर 5 फीट तक कम होने की संभावना है। पानी छोडने का मुख्य कारण नीमच जिले के खिमला गांव में ग्रीनको कंपनी के पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट के निर्माण के चलते जलस्तर कम करना और राजस्थान के राणा प्रताप सागर बांध की पूर्ति करना है। हालांकि गेट खोलने के बाद इसका प्रभार चौदह सौ करोड की पेयजल योजना पर पडा है। दरअसल योजना के तहत सालरमाला में अस्थायी पंप हाउस की 13 मई से टेस्टिंग होनी थी। बांध से पानी छोडने पर पंप हाउस के नीचे 02 मीटर पानी खाली हो गया है। इससे टेस्टिंग में दिक्कत आएगी। अब 20 दिन देरी से टेस्टिंग होगी।

डालना पड़ेगी अतिरिक्त पाइप लाईन...

जल निगम द्वारा 13 मई से जिले के 100 गांव की पेयजल लाइन की टेस्टिंग की जाना थी। अभी कंपनी अधिकारियों ने इस लाइन की हाइड्रो टेस्टिंग पूरी कर ली है। अब पानी छोडक़र लीकेज देखना था। टेस्टिंग के साथ ही गांवों में पानी सप्लाई भी शुरू हो जाता। लेकिन, अब टेस्टिंग में देरी के चलते पेयजल योजना भी पूरी तरह लेट होगी। ऐसे में विभाग द्वारा अस्थायी पंप हाउस पर लगे दोनों पंप व मोटरों को खोलकर 04 मीटर पानी के अंदर अतिरिक्त पाइप लाइन डालना पडेगी। इस कार्य में 20 दिन लगेंगे। पहले ये अंदाजा नहीं था कि मई में गांधीसागर डेम से पानी छोडने की नौबत आएगी। 04 मीटर पानी में पाइप उतारने के बाद एप्रोच चैनल बनाकर पंप हाउस तक पानी लाएंगे। 25 मई के बाद पानी की टेस्टिंग शुरू कर पाएंगे। हालांकि यदि बारिश आ गई तो लीकेज पता नहीं चल पाएगा। इससे बारिश बाद ही काम हो पाएगा।

तो फिर पांच माह बाद होगा काम...

पाइप लाइन में पंप से एक साफ्ट उतारी जाती है। अब वापस से पंप खोलकर पाइप लाइन बढाना होगी, उसमें उम्रर से ही साफ्ट भी डाली जाएगी। इससे 20 दिन का अतिरिक्त समय लग जाएगा। इसके बाद मानसून की जल्द आमद की चिंता भी सता रही है। अगर पाइप लाइन डालने में देरी हुई और मानसून जल्दी आ गया तो भी बारिश में पाइप लाइन टेस्टिंग में समस्या होगी। बारिश होने के बाद टेस्टिंग का काम मुश्किल हो सकता है। बारिश में पाइप लाइन कहां लीकेज है, इसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। मौजूद समय में योजना में जो टेंपरेरी पंप हाउस बनाया है, वहां दो पंप और मोटरें लगाई हैं। जल स्तर नीचे होने के बाद पाइप को उतारने के लिए फिर से दोनों पंप और मोटरों को खोलना पडेगा।

राजस्थान का राणा प्रताप बांध होगा लबालब...

मई में गांधीसागर डेम के 05 गेट खुलने से 89 हजार क्यूसेक प्रति सेकंड पानी खाली होगा। यह पानी राजस्थान के राणाप्रताप बांध में जाएगा। इससे वह बिना बारिश मई में ही लबालब हो जाएगा। गांधीसागर से 04 दिन में 891 मिलियन घन मीटर (एमसीएम) पानी की निकासी की जाएगी।

शहर के सीवरेज प्रोजेक्ट का मामला...

डेढ़ सौ करोड़ की योजना को तकनीकी कमेटी की मंजूरी, गुजरात की कंपनी करेगी काम

फाईल फोटो

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर के सीवरेज को लेकर बनाये गए डेढ सौ करोड के प्रोजेक्ट को स्टैट लेवल की तकनीकी कमेटी ने हरी झंडी दे दी है। उप्र, राजस्थान सहित अन्य जगहों की कंपनी ने इस प्रोजेक्ट में रुचि दिखाई। हालांकि प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी गुजरात की कंपनी को मिली है। अब वित्तीय स्वीकृति और वर्क आर्डर का इंतजार है। इसके बाद काम शुरु हो जाएगा। बता दे कि निकायों में मंजूरी के बाद सभी प्रोजेक्ट को एसएलटीसी की प्रक्रिया से गुजरना होता है। इसमें स्टेट लेवल की बनी तकनीकी कमेटी की मंजूरी जरुरी है। इसके बिना वित्तीय मंजूरी नहीं होती। ऐसे में टैंडर व डीपीआर को मंजूरी के बाद एसएलटीसी में प्रोजेक्ट अटका हुआ था, जो अब आगे बढा। अब वित्तीय मंजूरी की औपचारिक प्रक्रिया पूरी होने के बाद वर्क ऑर्डर गुजरात की जिस कंपनी ने प्रोजेक्ट लिया है, उसे मिलेगा और फिर काम शुरू होगा। बारिश के बाद काम शुरू होना माना जा रहा है।

यह है प्रोजेक्ट...

शिवना शुद्धिकरण को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। करोडों रुपए इस पर खर्च भी किए जा चुके हैं। शिवना प्रदूषण का सबसे महत्वपूर्ण कारण शहर से निकलने वाले गंदे नालों का शिवना में मिलना। इसको लेकर डेढ सौ करोड का प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। वहीं 28 करोड के शिवना शुद्धिकरण प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। दोनों प्रोजेक्ट में सीवरेज का पानी नदी में मिलने से रोकने के साथ पानी को ट्रीट किया जाएगा। ऐसे में नदी अब प्रदूषण से मुक्त होगी। सीवरेज के बाद गंदा पानी शिवना में मिलने की बजाए पाईप लाइन से सीधे ट्रीटमेंट प्लांट पर पहुंचेगा। यहां पर इस पानी को साफ कर किसानों को सिंचाई के लिए नपा बेचेगी।

यह होगा काम...

सीवरेज प्लान के तहत शहर में 270 किलोमीटर की पाइप लाइन बिछाने के साथ ही शहर के 30 हजार 500 घरों के सामने की नालियां अंडरग्राउंड हो जाएगी और सभी घरों को सीवरेज से जोडा जाएगा। सीवरेज लाईन की सफाई के लिए पूरे शहर में 10 हजार 800 चेंबर बनेंगे। नाले-नालियों का गंदा पानी मुक्तिधाम के समीप बनने वाले ट्रीटमेंट प्लांट में साफ होगा और फिर यह पानी सिंचाई में उपयोग के लिए किसानों को बेचा जाएगा। ट्रीटमेंट प्लांट के पानी को एकत्रित करने के लिए एक बडी टंकी भी बनाई जाएगी। सीवरेज के लिए जो लाइन बिछाई जाएगी उसमें शहर में अलग-अलग जगह 150 से 900 एमएम तक के पाइप डाले जाएंगे। मुक्तिधाम के समीप एक ट्रीटमेंट प्लांट बनेगा। शहरभर में 13 इंटर मीडिएट पर्पिंग स्टेशन बनेंगे। सडको की खुदाई कर पाइप डालने के बाद ठेकेदार को सडक की मरम्मत भी करना होगी।

दिनभर छाए रहे बादल, बनी हुई हैं बारिश की संभावना

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। शहर और अंचल सहित मध्यप्रदेश के 40 से अधिक जिलों में शनिवार को भी मौसम बदला रहा। मौसम विभाग ने इन जिलों में आंधी, हल्की बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया है। शनिवार को जिन जिलों में मौसम बदला रहा उनमें भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, भिंड, दतिया, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बडवानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ, शाजापुर, देवास, खंडवा, खरगोन जिले शामिल हैं। वहीं, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, विदिशा, अशोकनगर, सागर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, पांढुर्णा, छिंदवाडा, नरसिंहपुर, दमोह, निवाडी, टीकमगढ, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, मंडला, बालाघाट, सिवनी, कटनी में भी हल्की बारिश, गरज-चमक और आंधी का दौर रहा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि वर्तमान में दो सिस्टम एक्टिव है। इस वजह से प्रदेश में मौसम बदला है। 13 मई तक हल्की बारिश गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

दूसरे पखवाड़े में पड़ेगी सबसे ज्यादा गर्मी...

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में मई के महीने में ही सबसे ज्यादा गर्मी पडती है। पिछले 10 साल का ट्रेंड देखें तो कई शहरों में पारा 47-48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। दिन में हीट वेव चलेगी तो रातें भी गर्म रहेंगी। मई में बारिश का भी ट्रेंड रहता है। इस बार मई की शुरुआत में ही मौसम बदला हुआ है। पहले ही दिन कई जिलों में बारिश हुई। अब माना जा रहा हैं की दूसरे पखवाडे में तेज गरमी हो सकती हैं।

सूने मकान में चोरी

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। शामगढ के खाती मोहल्ला में स्थित स्कूल संचालक के सूने मकान में बदमाशों ने चोरी की वारदात कार डाली। मिली जानकारी के अनुसार परिवार के लोग बाहर गए थे। इसी दौरान चोरों ने ताला तोडक़र अंदर प्रवेश किया। बताया जाता है कि चोर सोने चांदी के जेवर और नकदी सहित अन्य सामान ले गए। परिवार के आने के बाद चोरी गए माल की जानकारी मिल पाएगी। इस मामले में पुलिस को सूचना दे दी गई है।

पाकिस्तान ने 3 घंटे के बाद ही सीजफायर तोड़ा

जम्मू-कश्मीर में फायरिंग, शेलिंग, ड्रोन अटैक, उमर बोले- श्रीनगर में धमाके हो रहे

नईदिल्ली, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार शाम 5 बजे सीजफायर लागू हो गया। इसके 3 घंटे बाद ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर दिया। रात 8 बजे से पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर के अखनूर, पुंछ, नौशेरा, श्रीनगर, आरएसपुरा, सांबा, उधमपुर में फायरिंग की जा रही है। राजौरी में शेलिंग (तोप और मोर्टार) की गई। उधमपुर में ड्रोन से हमला हुआ। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा- ये कैसा सीजफायर है। श्रीनगर में धमाकों की आवाज सुनाई दे रही है।

जम्मू-कश्मीर, राजस्थान-पंजाब में फिर ब्लैकआउट- सीजफायर के ऐलान के बाद जम्मू-कश्मीर, राजस्थान और पंजाब के बॉर्डर वाले जिलों में ब्लैकआउट रद्द कर दिया था। लेकिन, पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर में फायरिंग के बाद फिर से ब्लैकआउट कर दिया गया है। बॉर्डर वाले जिलों की बिजली काट दी गई है। लोगों को घर से न निकलने की एडवाइजरी जारी की गई है।

ट्रम्प ने ट्वीट करके दी थी सीजफायर की जानकारी- इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने द पर पोस्ट किया। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा, 'रात में यूएस की मध्यस्थता में चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं। मैं दोनों देशों को कॉमनसेंस, समझदारी से भरा फैसला लेने के लिए बधाई देता हूं।'

भारत के विदेश सचिव बोले- सीजफायर हुआ- ट्रंप के बयान के 30 मिनट बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी शाम 6 बजे प्रेस ब्रीफ के लिए आए। 42 सेकेंड में अपनी बात खत्म की और चले गए। उन्होंने कहा- पाकिस्तान के DGMO ने शनिवार दोपहर 3:35 बजे भारतीय DGMO को फोन किया। सहमति बनी कि दोनों पक्ष शनिवार दोपहर 5 बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे। इस सहमति को लागू करने के लिए दोनों पक्षों को निर्देश दिए गए हैं। वे 12 मई को दोपहर 12 बजे फिर से बात करेंगे।

पाकिस्तान ने भी सीजफायर की पुष्टि की- पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने कहा, 'पाकिस्तान और भारत ने तत्काल प्रभाव से युद्ध विराम पर सहमति जताई है। पाकिस्तान ने हमेशा अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से समझौता किए बिना क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए प्रयास किया है।'

अमेरिकी विदेश मंत्री ने बुधवार रात भारत-पाक से बात की थी- अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने बुधवार रात पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की। उन्होंने दोनों देशों से तनाव कम करने और दक्षिण एशिया में शांति स्थापित को लेकर मिलकर काम करने की अपील की थी।

आतंकवाद की निंदा की, लेकिन भारत को संयम बरतने को भी कहा- अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने बताया कि मार्को रूबियो ने जयशंकर से फोन कॉल पर पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वालों के लिए शोक प्रकट किया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका भारत के साथ है। हालांकि, उन्होंने यह भी सलाह दी कि भारत जो इस हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ बताने और जवाबी कारवाई की मांग करने में सावधानी बरते। वहीं, टैमी ब्रूस ने बताया कि प्रधानमंत्री शरीफ से फोन पर बातचीत के दौरान रूबियो ने पाकिस्तान से 22 अप्रैल को कश्मीर में हुए हमले की निंदा करने और जांच में सहयोग करने को कहा। अमेरिकी विदेश मंत्री ने पाकिस्तानी अधिकारियों से इस हमले की जांच में पूरी तरह सहयोग करने का अनुरोध किया था।

भाजपा की ऑफिशियल वेबसाइट हैक

ओपन करने पर यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा आया

भोपाल, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। भारत-पाकिस्तान के बिगड़े हालात के बीच हैकर्स ने शनिवार को मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी की ऑफिशियल वेबसाइट को हैक कर लिया। जानकारी के मुताबिक हैकर्स ने बीजेपी की राष्ट्रीय वेबसाइट को भी हैक करने की कोशिश की है। बीजेपी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पार्टी की एमपी की वेबसाइट पर सुबह कुछ यूजर्स ने जाकर देखा तो उस पर पाकिस्तान ऑपरेशन का नाम लिखा हुआ आ रहा था। हालांकि अभी वेबसाइट पर भारतीय जनता पार्टी और 404 लिखा हुआ आ रहा है। बीजेपी आईटी सेल को वेबसाइट हैक होने की जानकारी जैसे ही मिली, टीम ने इसे ठीक करने का काम शुरू कर दिया।

बीजेपी प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने बताया कि सुबह वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली थी। टीम ने जानकारी मिलते ही इसे रिस्टोर कर लिया है। हालांकि अग्रवाल ने पार्टी की राष्ट्रीय वेबसाइट हैक होने की बात से इनकार किया। वेबसाइट के होमपेज पर यू हैव बीन हैक्ड पीएफए साइबर फोर्स लिखा हुआ नजर आ रहा था। हालांकि यह अभी तक साफ नहीं हुआ है कि वेबसाइट किसने हैक की है। हैक की गई वेबसाइट पर 'ऑपरेशन बुनयान-अल-मरसूस' का जिक्र प्रॉमिनेंटली दिखा। इस ऑपरेशन का नाम अरबी भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है शीशे से बनी मजबूत दीवार। इस ऑपरेशन के बारे में पाकिस्तान की तरफ से भी बयान सामने आया था। फिलहाल बीजेपी संगठन के पदाधिकारियों का कहना है कि वेबसाइट को 15 से 20 मिनट में रिस्टोर कर लिया गया है। फिलहाल वेबसाइट खोलने पर ईआरसीआर दिख रहा है।

अब किताबी पढ़ाई के साथ प्रेक्टिकल नालेज पर ज्यादा जोर

भोपाल, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। अब स्कूलों में कोरिया की तर्ज पर मेकाट्रॉनिक्स शिक्षा दी जाएगी। किताबी पढ़ाई के साथ प्रैक्टिकल नॉलेज पर ज्यादा जोर होगा। यहां उन्हें बताया जाएगा कि इंडस्ट्रीज में किस तरह के नॉलेज की जरूरत होगी। इसके लिए राजधानी में लैब तैयार होगी। इसे स्थापित करने के लिए एनसीईआरटी और कोरिया की एजेंसी के बीच समझौता हुआ है। नई शिक्षा नीति के तहत इस पर काम शुरू किया जा रहा है। नीति में वोकेशनल एजुकेशन को बढ़ावा देने की बात कही गई है। किताबी शिक्षा के साथ ही स्कूली बच्चों को कोई हुनर सिखाया जाना है। वह हुनर कौन सा हो इसके लिए उद्योग और परिवेश को देखते हुए निर्णय होगा।

कक्षा 9वीं से 12वीं के लिए होगी लागू...

अगले साल से यह योजना शुरु होगी। अभी डेमोस्ट्रेशन बेस पर आयोजन होगा। यह कक्षा नौंवी से बारहवीं के स्टूडेंट के लिए हैं। अधिकारियों के मुताबिक प्रयोग सफल रहा तो देशभर के स्कूलों में शुरुआत होगी।

—वोकेशनल एजुकेशन के तहत बच्चों को हुनरमंद बनाने लैब शुरू होगी। करीब दो करोड की लागत से कोरिया की एजेंसी इसे स्थापित करेंगी। मुख्य उद्देश्य बच्चों को ऐसे हुनर सिखाना हैं जो उन्हें रोजगार दे सकेंगे।

प्रो. विनय स्वरूप मेहरोत्रा,
कार्यक्रम समन्वय, केंद्रीय व्यावसायिक शिक्षा संस्थान, भोपाल

लेजर गाइडेड एनर्जी के साथ भारत युद्ध कौशल के महारथियों में शामिल होने जा रहा है...

मंदसौर / उज्जैन, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। यह सच में दुश्मनों को हैरान करने वाली और मित्रों को अचंभित करने वाली बात है कि भारत का रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) लेजर गाइडेड एनर्जी हथियार का परीक्षण कर चुका है। यह परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में हुआ। जिसमें साढे तीन किलोमीटर दूर उड रहे ड्रोन को लेजर डीव से मार गिराया गया। 30 किलो वाट के इस यंत्र को ट्रक पर लाद कहीं भी लाया ले जाया जा सकता है।

दुनिया के वैज्ञानिक अभी इसे भारत का परीक्षण तो मान रहे हैं, पर मान्यता देने में हिचकिचा रहे हैं। शायद वैश्विक प्रदर्शन के बाद मान्यता मिले। यह जरूर स्वीकारा की लेजर हथियार से हेलीकॉप्टर, स्वार्म ड्रोन और रडार को नष्ट किया जा सकता है। अभी तक लेजर हथियार को बनाने वाले देशों में अमेरिका, रूस, चीन, ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, जापान और इसराइल जैसे राष्ट्र शामिल थे। अब इसमें भारत भी शामिल हो गया है। विकसित राष्ट्र 50 किलो वाट और इससे अधिक उर्जा शक्ति वाले लेजर शस्त्र बन चुके होंगे। भारत की अभी शुरुआत है पर इसे बहुत बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। क्योंकि भविष्य में इसी तकनीक का ही हर क्षेत्र में अधिक उपयोग होगा। जिसमें मात्र एक किरण से दुश्मनों के संसाधनों को नष्ट किया जा सकेगा। लेजर हथियार को चलाने वाली मशीन हल्की और कहीं भी ट्रक, पानी के जहाज, जमीन पर भी उपयोग की जा सकती है।

चन्द्रमोहन भगत

चीन तो लेजर हथियारों के मामले में लेजर राइफल बनाने का दावा कर आने वाले समय में अपनी सेवा को उपलब्ध कराने का दावा कर रहा है। जबकि, रुस का दावा है कि उसके पास ऐसे लेजर हथियार हैं जिनसे वह उपग्रह को कई किलोमीटर दूर से नष्टकर सकता है। दक्षिण कोरिया, जापान भी परमाणु मिसाइल एंटी ड्रोन लेजर सिस्टम बना चुके हैं। भारत के डीआरडीओ के सफल परीक्षण को स्वीकारा तो जा रहा है, पर इसको सेना में शस्त्र के रूप में शामिल करने के लिए अभी इसमें एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ कम रिस्क वाला हथियार बनाना बाकी है। इसमें लेजर किरणों को केंद्रित कर दुश्मनों के बड़े-बड़े हथियारों को कुछ ही सेकंड में नष्ट किया जा सकेगा। भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के अधिकारी इसे जल्द से जल्द विश्व स्तरीय मापदंड का बना लेने का दावा कर चुके हैं। ताकि जल्द से जल्द इसे भारतीय सेना के आधुनिक मजबूत हथियारों में शामिल किया जा सके।

विचार-मंथन

भारतीय सेना की देश भर में हो रही सराहना

आपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमले करके भारतीय सेना ने न केवल पहलगाम हमले का कड़ा जवाब दिया, बल्कि दुनिया के सामने अपनी रणनीतिक क्षमता का कुशल प्रदर्शन भी कर दिया है। इस हमले के बाद भारत सरकार को कूटनीतिक कामयाबी भी मिलती दिखने लगी है। इस अभियान की रणनीति तीनों सेनाओं ने मिल कर बनाई थी। हालांकि पाकिस्तान शुरू से शोर मचा रहा था कि भारत कभी भी उस पर हमला कर सकता है और इसके मद्देनजर उसने अपनी सामरिक तैयारियां तेज कर दी थी। मगर भारतीय सेना ने इतनी कुशलता से हवाई हमले किए और इतने सटीक निशाने साधे कि उसे समझने का मौका भी नहीं मिल पाया। यह सेना और सरकार की बड़ी सूझबूझ है कि पाकिस्तान के किसी नागरिक, सैन्य और आर्थिक ठिकाने पर निशाना लगाने के बजाय सिर्फ आतंकी ठिकानों को लक्ष्य कर ध्वस्त किया गया। इस तरह दुनिया में किसी को इसके विरोध में कुछ कहने का मौका नहीं रह गया है। चीन तक समझ नहीं पा रहा कि भारत के इस कदम को कैसे गलत ठहराया जाए। हमले के तुरंत बाद भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात आदि देशों के अपने समकक्षों को फोन कर हमले की जानकारी दी। इस तरह पाकिस्तान की कूटनीतिक घेराबंदी भी कर दी गई है। आपरेशन सिंदूर के तहत मुख्य रूप से पाकिस्तान में जैश-ए-मोहम्मद, हिज्बुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा के मुख्यालयों तथा आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर हमले किए गए। उसके प्रमाण भी दुनिया के सामने पेश किए जा चुके हैं। माना जा रहा है कि इस हमले में इन आतंकी संगठनों से जुड़े काफी लोगों की जान गई है। भारतीय सेना ने वहां के जिन नौ आतंकी ठिकानों पर हमले किए, उनमें से चार पाक अधिकृत कश्मीर में और बाकी उसके पंजाब प्रांत में स्थित थे। शायद पाकिस्तानी सेना को अंदाजा नहीं था कि भारतीय सेना पंजाब प्रांत के भीतर भी हमला कर सकती है। उसने इस हमले की प्रतिक्रिया में भारत की सीमा पर कुछ नागरिक ठिकानों पर हमले किए हैं, पर उससे उसकी बौखलाहट ही जाहिर होती है। वह कुछ दिन पहले तक नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर भारतीय सेना को ललकार और अपनी परमाणु ताकत का धौंस दे रही थी, अब उसे समझ नहीं आ रहा कि कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। दरअसल, उसे लग रहा था कि चीन का समर्थन मिलेगा और भारत उसके भय से दब जाएगा। मगर अब आतंकवाद के खिलाफ हमले पर चीन कैसे पाकिस्तान का समर्थन करेगा, देखने की बात होगी। इस हमले के बाद उचित ही भारतीय सेना की देश भर में सराहना हो रही है। विपक्षी दलों ने भी एक बार फिर सरकार के साथ अपनी एकजुटता जताई और सेना के कौशल की तारीफ की है। हालांकि अमेरिका जैसे कुछ देशों ने कहा है कि यह तनाव जितना जल्दी खत्म हो, उतना ठीक होगा। पर भारतीय जनभावना है कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकवादी संगठनों के खिलाफ उठाया गया यह कदम निर्णायक होना चाहिए। सरकार भी इस भावना को गंभीरता से समझती है। इसलिए जिस तरह उसने सेनाध्यक्षों को निर्णय लेने की खुली छूट दी और सेना ने सूझबूझ से रणनीति तैयार की, उससे जाहिर है कि वह सधे कदम बढ़ाते हुए आतंकवाद को संरक्षण देने वालों को गहरे घाव देने के लिए प्रतिबद्ध है।

छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं, घर में घुसकर मारेंगे...

दीपक कुमार त्यागी

7 मई की सुबह जब देशवासियों की आंखें नींद से खुली, तो देश व दुनिया की मीडिया व सोशल मीडिया के प्लेटफार्म भारत की शौर्य गाथा को बयान कर रहे थे, मीडिया के माध्यम से दुनिया को पता चला कि मां भारती के वीर सपूतों ने एक बार फिर से पाक व पीओके में एयर स्ट्राइक कर दी है, भारत के वीरों ने पाकिस्तान में आतंकवादियों के ठिकानों पर जमकर के कहर बरपाने का कार्य कर दिखाया है। सूर्य उदय के साथ दिन ही देश व दुनिया में भारत की आतंकियों के खिलाफ़ की गयी बड़ी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर की गूंज जमकर सुनाई दे रही है। मां भारती के वीर सपूतों की टोली ने 22 अप्रैल 2025 को कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में पाकिस्तान के पिट्ठुओं आतंकियों के द्वारा पर्यटकों पर हमला करके की गयी कायराना हरकत का मुंह तोड़ जवाब देने का कार्य वीरता के साथ किया है। लेकिन भारत के वीर सपूतों की पाक परस्त आतंकवादियों के खिलाफ़ की गयी इस बहुत बड़ी कार्रवाई पर भारत सरकार की अधिकारिक मौहर लगना अभी भी बाकी था, इस ज्वलंत मसले पर पूरी दुनिया भारत सरकार के आधिकारिक रुख को देखना चाहती थी। पल-पल इंतजार के बाद आखिर वह घड़ी आ ही गयी, जब भारत सरकार के विदेश मंत्रालय की ऑफीशियल प्रेस ब्रीफिंग होने की सूचना आयी। प्रेस ब्रीफिंग में भारत सरकार के विदेश सचिव विक्रम मिस्री, भारतीय सेना की

तरफ से कर्नल सोफिया कुरैशी व वायुसेना की तरफ से विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने आज सुबह 10.30 बजे भारत के जांबाजों के द्वारा पाक व पीओके में चुनिंदा आतंकवादियों के लक्षित एयर स्ट्राइक ऑपरेशन सिंदूर के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रेस ब्रीफिंग में सर्वप्रथम दशकों से चली आ रही पाकिस्तानी के द्वारा भारत में प्रायोजित आतंकवाद पर शार्ट फिल्म दिखाई गयी। उसके बाद विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने ब्रिफिंग में एयर स्ट्राइक के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री के द्वारा कही गई बातों का मूल सार यह है कि पहलगाम में हमला अत्यंत बर्बरतापूर्ण था, जिसमें पीड़ितों को बहुत नजदीक से सिर में गोली मारकर और उनके परिवार के सामने मारा गया, इस आतंकी घटना के पीड़ितों के माध्यम से आतंकियों के द्वारा मोदी सरकार को संदेश देने को कहा गया, यह हमला स्पष्ट रूप से कश्मीर में सामान्य स्थिति को कमजोर करने के उद्देश्य से व देश में दंगा फ़साद करवाने के उद्देश्य से किया गया था। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बताया कि भारत सरकार ने यह जरूरी समझा कि पहलगाम हमले के साजिशकर्ताओं और साजिशकर्ताओं को न्याय के कटघरे में लाया जाए। लेकिन एक पखवाड़ा बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान की ओर से अपने क्षेत्र में चल रहे आतंकवादी ढांचे के खिलाफ कोई भी ठोस कदम धरातल पर नहीं उठाया गया। जिसके चलते ही भारत सरकार ने पाकिस्तान व पीओके में छिपकर बैठे आतंकियों के खिलाफ़ कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत लक्षित ठिकानों पर एयर स्ट्राइक करने का कार्य करके दुश्मनों के ठिकानों को ध्वस्त कर दिया। प्रेस ब्रीफिंग में विदेश सचिव विक्रम मिस्री, कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने यह साफ कर दिया कि भारत के जांबाजों ने पीओके में की गयी 9 ठिकानों एयर स्ट्राइक में पहलगाम आतंकी हमले के साथ-साथ मुंबई हमले से लेकर के अन्य तमाम हमलों का हिसाब बराबर करने का कार्य किया है। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बना हुआ है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी व विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने एयर स्ट्राइक के बारे में विस्तार से बताते हुए देश व दुनिया को यह भी बताया कि आखिर भारतीय सेना ने पाकिस्तान व पीओके के 9 ठिकानों को ही निशाना क्यों बनाया है। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय देने के लिए चलाया गया, यह ऑपरेशन 6-7 मई 2025 की रात 1.05 से 1.30 बजे तक कुल 25 मिनट तक चला, जिसके माध्यम से आतंकियों के ट्रेनिंग सेंटर, लॉन्च पैड को भारतीय जांबाजों ने हमला करके तबाह करने का कार्य किया। उन्होंने बताया कि हमने उन आतंकी ठिकानों पर भी हमला किया है, जहां कसाब, हेडली ने ट्रेनिंग ली थी। उन्होंने दुनिया को यह भी बताया की हमने पाकिस्तान ने किसी भी सैन्य या नागरिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया है। हमने एयर स्ट्राइक के माध्यम से पाक व पीओके में फल-फूल रहे आतंकवादी शिविरों को निशाना बनाकर नष्ट किया है। यहां आपको बता दें कि आतंकवादियों की सुरक्षित पनाहगाह पीओके व पाकिस्तान में पाक हुक्मरानों की कृपा से आतंकवादियों की ट्रेनिंग के लिए पिछले कई दशकों में बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है, जो निर्माण कार्य अब भी बेखौफ़ निरंतर जारी है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सशस्त्र बलों के द्वारा पाकिस्तान-अधिकृत कश्मीर (पीओके) व पाकिस्तान में बने बेहद अहम आतंकवादी ठिकानों का ध्वस्त किया गया है, भारत ने सबसे पहले सवाई नाला कैंप मुजफ्फराबाद जोकि एलओसी से लगभग 30 किमी दूर है और लश्कर तैयबा को ट्रेनिंग सेंटर है, उसको तबाह करने का कार्य किया, इस कैंप में ही 20 अक्तूबर 2024 सोनमर्ग, 24 अक्तूबर 2024 गुलमर्ग, 22 अप्रैल 2025 पहलगाम हमले के आतंकियों ने ट्रेनिंग ली थी। मुजफ्फराबाद स्थित सैयदना बिलाल कैंप, जैश ए मोहम्मद का स्टेजिंग एरिया है, यहां से आतंकियों को जंगल ट्रेनिंग और हथियार आदि मुहैया कराये जाते थे। गुलपुर कैंप, कोटली में लश्कर का बेस कैंप था, जो राजौरी और पुंछ में सक्रिय था, यहीं पर 20 अप्रैल 2023 पुंछ और 9 जून 2024 तीर्थयात्रियों को बस हमले के आतंकियों को ट्रेनिंग दी गयी थी। अब्बास कैंप कोटली में लश्कर की फिदायीन टीम तैयार होती थी, जिसको तबाह कर दिया गया है। बरनाला कैंप, यह एलओसी के निकट स्थित आतंकियों का एक महत्वपूर्ण लॉन्च पैड है, यहां से अकसर आतंकियों को भारत में घुसपैठ कराई जाती है। देश में कई आतंकी हमलों में शामिल आतंकी यहीं से निकले हैं।

समस्या चाहे जो हो लेकिन सबका समाधान है...

राजेंद्र बज

जब कभी व्यक्ति के जीवन में परिस्थितियां नियंत्रण से बाहर हो जाती हैं, दिल और दिमाग में आशंकाओं के बादल गहरा जाते हैं। ऐसे में कमजोर मनोबल के चलते आदमी मानसिक दृष्टि से टूट जाता है और इसका प्रभाव शारीरिक तौर पर भी स्पष्ट दिखाई देने लगता है। अनिष्ट की आशंका आमतौर पर सकारण होती है, लेकिन अत्यधिक विचारशील होने के चलते कई बार अकारण भी हो जाती है। कभी-कभी तो अपने ही विचारों में खोकर इंसान अनजानी आशंका से भी घिर जाता है, जिसे वह स्पष्ट तौर पर परिभाषित नहीं कर सकता। बस, ऐसे ही और यों ही उसे ऐसा प्रतीत होने लगता है कि उसके साथ कुछ गलत घटने वाला है। अनेक अवसरों पर इंसान की एकतरफा सोच उसे तमाम तरह की आशंकाओं के घेरे में ले लेती है। कभी-कभी तो विचार-चक्र का सिलसिला ऐसा चलता है कि बिना किसी ठोस कारण के भी आदमी भारी अनिष्ट की आशंका से घिर जाता है। ऐसे मामले आसपास देखे जा सकते हैं जिनमें किसी गंभीर बीमारी के साधारण लक्षण जैसा कुछ पाए जाने पर भी खयालों ही खयालों में अपने जीवन की पारी समाप्त होने की आशंका से त्रस्त हो जाता है। चाहे यह उसकी भ्रांति हो कि उसे गंभीर रोग है। वैसे अनेक अवसरों पर देखा गया है कि गंभीर बीमारी के प्रारंभिक लक्षण पाए जाने पर भी आदमी परिजनों से यह बात छिपा कर चलता है और भीतर ही भीतर घुलने लगता है। ऐसे में जब कभी आदमी आशंकाओं के बादल से घिर जाता है, सीधे तौर पर उसकी कार्यक्षमता प्रभावित हुए बिना नहीं रहती। कई बार ऐसा भी होता है कि जरूरत से ज्यादा जानकारी किसी के लिए अपने जीवन में भारी पड़ सकती है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि नकारात्मक तथ्यों के प्रति काफी हद तक तटस्थ दृष्टिकोण रखना चाहिए। दरअसल, हर एक समस्या के निवारण के लिए सामाजिक परिवेश में अलग-अलग प्रकार के प्रकल्प हुआ करते हैं। सबका अपना-अपना कार्य क्षेत्र होता है और अपनी अपेक्षित भूमिका के निर्वहन के लिए ये पूरी तरह से पारंगत हुआ करते हैं। सीधी-सी बात है कि हमें अपने मर्ज का डाक्टर बनने का प्रयास नहीं करना चाहिए। समस्या चाहे जो हो, लगभग हर समस्या का समाधान है। इसलिए जो समस्या का निराकरण करने में पूर्ण रूप से सक्षम है, उसका आसरा

लेना ही वह एकमात्र रास्ता है, जिसके माध्यम से हम अपनी समस्या का निवारण कर सकते हैं। अनावश्यक रूप से केवल चिंता के भंवरजाल में उलझे रहने का कोई अर्थ नहीं है। वैसे भी हर एक आदमी के कार्य क्षेत्र की अपनी अलग-अलग सीमाएं होती है। हर एक आदमी हर एक काम कर सके, यह कतई संभव नहीं। हम सामाजिक परिवेश में अपनी योग्यता के अनुरूप काम करते हुए अन्य की योग्यता के अनुरूप किए गए काम से लाभान्वित होते हैं। ठीक इसी तर्ज पर हमें यह मानकर चलना चाहिए कि केवल हम ही सर्वशक्तिमान नहीं है। अगर यह मान भी लिया जाए कि होनी होकर रहती है, तो अनहोनी को टालने का प्रयास अवश्य होना चाहिए। यह सोचकर चुप नहीं रहा जा सकता कि जब-जब जो-जो होना है, तब-तब वह तो होना है। दरअसल, आदमी ने हर किसी क्षेत्र में अपने विजेता भाव को दर्शाया है। चांद सितारों की दुनिया भी अब उसकी पहुंच में दिखाई देने लगी है। कल तक जो कुछ असंभव था, आज लगभग संभव होता जा रहा है। यह सब परिवर्तन लीक से हटकर किए गए प्रयासों का ही सुखद परिणाम है। ऐसी स्थिति में विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अपना मनोबल कायम रखने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सशक्त मनोबल असंभव को संभव सिद्ध कर सकता है। इसलिए परिस्थितियों से जूझने का माद्दा हर चुनौती से पार ले जा सकता है। हर तरह की गलती और अपराध को लेकर प्रायश्चित की प्रक्रिया अंतरात्मा के बोझ को उतार फेंकती है। गलती और अपराध की स्वीकृति हर हाल में सकारात्मक परिणाम की कारक सिद्ध होती है। हालांकि कुछ गलती और अपराधों को लेकर कानून और व्यवस्था में प्रावधान है, लेकिन हमारी अंतरात्मा पर बोझ बनी कोई गलती या अपराध ऐसा है जो कानून और व्यवस्था की जद में नहीं है, उसके साक्षी तो केवल हम ही हैं। इसलिए भी मन बोझिल हो जाता है।

आपदा के समय भरोसेमंद दोस्त 'रेडक्रॉस'

भारत में रेडक्रॉस की स्थापना के शुरूआती वर्षों में देश में रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष भारत के उपराष्ट्रपति होते थे किन्तु वर्ष 1994 में रेडक्रॉस एक्ट में संशोधन करते हुए सोसायटी का पदेन अध्यक्ष महामहिम राष्ट्रपति को तथा सचिव केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री को बनाया गया। रेडक्रॉस की स्थापना महान् मानवता प्रेमी जीन हेनरी ड्यूनेंट द्वारा की गई थी, इसीलिए उनके जन्मदिन के अवसर पर प्रतिवर्ष विश्वभर में 8 मई का दिन 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस' के रूप में मनाया जाता है और संस्था की गतिविधियों से आम आदमी को अवगत कराने के प्रयास किए जाते हैं। रेडक्रॉस की स्थापना वर्ष 1863 में हुई थी और अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के सभी देशों में रेडक्रॉस आन्दोलन का प्रसार करने के साथ-साथ रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांतों के संरक्षक के रूप में भी कार्य कर रही है। 8 मई 1828 को जन्मे ड्यूनेंट 1859 में हुई सालफिरोनो (इटली) की लड़ाई में घायल सैनिकों की दुर्दशा देख बहुत आहत हुए थे क्योंकि युद्धभूमि में पड़े इन घायल सैनिकों के उपचार के लिए कोई चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध नहीं थी। युद्ध मैदान में घायल पड़े इन्हीं सैनिकों के दर्दनाक हालातों पर अपने कड़वे अनुभवों के आधार पर उन्होंने 'मेमोरी और सालफिरोनो' नामक एक पुस्तक भी लिखी और 1863 में रेडक्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति 'आईसीआरआई' का गठन किया। ड्यूनेंट के सतत प्रयासों की बदौलत ही 1864 में जेनेवा समझौते के तहत 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस मूवमेंट' की स्थापना हुई। ड्यूनेंट ने इटली में युद्ध के दौरान रक्तपात का ऐसा भयानक मंजर देखा था, जब चिकित्सकीय सहायता के अभाव में युद्धक्षेत्र में अनेक घायल सैनिक हृदयविदारक कष्टों से तड़प रहे थे। ऐसे घायलों की सहायता के लिए उन्होंने स्थायी समितियों के निर्माण की आवश्यकता को लेकर आवाज बुलंद की, जिसका असर भी दिखा। युद्ध में आहतों की स्थिति के सुधार के साधनों का अध्ययन करने के लिए उसके बाद एक आयोग का गठन किया गया। 1863 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक में रेडक्रॉस के आधारभूत सिद्धांत निर्धारित किए गए तथा रेडक्रॉस आन्दोलन का विकास करते हुए आहत सैनिकों और युद्ध पीड़ितों की सहायता संगठित करने हेतु दुनियाभर के सभी देशों में राष्ट्रीय समितियां बनाने पर जोर दिया गया। नेपोलियन तृतीय के हस्तक्षेप के चलते अंतर्राष्ट्रीय समिति 'स्विस फेडरल काउंसिल' को 8 अगस्त 1864 को जेनेवा में सम्मेलन बुलाने के लिए राजी करने में सफल हुई, जिसमें 26 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। इस सम्मेलन के चलते जेनेवा अधिवेशन हुआ, जिसमें सुरक्षा के प्रतीक रेडक्रॉस वाले सफेद झंडे पर स्वीकृति की मोहर लगाई गई, जो आज समस्त विश्व में रेडक्रॉस का प्रतीक चिन्ह बना हुआ है। शुरूआती दौर में रेडक्रॉस की भूमिका युद्ध के दौरान बीमार और घायल सैनिकों, युद्ध करने वालों और युद्धबंदियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना तथा उन्हें उचित उपचार सुविधाएं उपलब्ध कराने तक ही सीमित थी किन्तु अब इस संस्था के दायित्वों का दायरा लगातार विस्तृत होता जा रहा है। मानवीय सेवा को समर्पित रेडक्रॉस ने प्रथम तथा द्वितीय विश्वयुद्ध में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए अनेक घायल सैनिकों तथा नागरिकों की सहायता कर अनुकरणीय उदाहरण पेश किया था। दुनिया के किसी भी भाग में जब भूकम्प, बाढ़, भू-स्खलन या अन्य किसी भी प्रकार की प्राकृतिक अथवा मानवीय आपदा सामने आती है तो सबसे पहले 'अंतर्राष्ट्रीय रेडक्रॉस सोसायटी' की टीमें वहां पहुंचकर राहत कार्यों में जुट जाती हैं। शांति और सौहार्द के प्रतीक के रूप में जानी जाने वाली इस संस्था ने अपने कर्मठ, समर्पित और कर्त्तव्यनिष्ठ स्वयंसेवकों के माध्यम से न केवल भारत में बल्कि दुनियाभर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5591

			4	5		8		
		6	3		9			2
4	2							7
9		2					8	
		3	2	1	8	7		
	5					1		4
7							9	5
2			5		7	3		
		1		2	3			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5590

5	4	2	6	8	1	9	7	3
9	6	7	3	4	5	2	8	1
8	1	3	9	2	7	6	5	4
2	9	1	7	3	8	5	4	6
6	3	5	2	1	4	7	9	8
7	8	4	5	9	6	3	1	2
3	2	8	4	5	9	1	6	7
4	5	6	1	7	3	8	2	9
1	7	9	8	6	2	4	3	5

वर्ग पहेली 5591

संकेत: बाएं से दाएं

1. 1961 को इस अमेरिका के प्रथम अश्वेत एवं 44 वें राष्ट्रपति ने जन्म लिया था (6)
7. निराकरण या समाधान करना (5)
8. सड़क, मार्ग (अंग्रेजी)(2)
9. पहर-पहर पर घंटा बजाने का शब्द, समय घोष (3)
10. चोचला, उमंग, हाव-भाव (3)
12. अज्ञात, अप्रसिद्ध, नामहीन, अख्यात (4)
13. दूरदर्शन पर पूर्व प्रसारित धारावाहिक महाभारत के संगीतकार (5)
14. [illegible], पुरानी फिल्मों के प्रसिद्ध चरित्र अभिनेता (5)
17. भगवान, ईश्वर, प्रभु (4)
18. [illegible], पुरानी फिल्मों के वे अभिनेता अपनी खल-भूमिका के लिए जाने जाते थे (1915-1987) (3)

ऊपर से नीचे

1. यह अरब देश है जिसमें 33 छोटे-छोटे द्वीप शामिल है इस देश की राजधानी मनामा है (4)
2. लहर, [illegible], मौज (2)
3. क से ह तक की वर्णमाला (4)
4. [illegible], दिशा में, तरफ (2)
5. वेष, विन्यास, पहनावा, पोशाक (2)
6. मुगल शासक अकबर के शासन काल में नवरत्नों में से एक थे जिसने भूमि पैमाइश का आयोजन किया था (5)
8. वह डायरी जिसमें प्रतिदिन की कार्यवाही का विवरण लिखा जाता है (5)
9. खुशबू, महक, संगीत का विशेष कंपन (3)
11. शास्त्रीय संगीत में षड्ज स्वर (3)
12. [illegible] निर्वाह या जीवन निर्वाह, रास्ता (3)
13. महर्षि वाल्मीकि का प्रसिद्ध पौराणिक ग्रंथ (4)
14. प्रेम करना, अजीज मानना, दिल में जगह देना, मन लगाना, रीझना (3)
15. 332 द्वीप वाले द्वीपपुंज की राजधानी सुवा है (3)
16. गौरव की भावना, प्रतिज्ञा, संकल्प (2)

वर्ग पहेली 5590 का हल

मुझे मंच, माला नहीं धरातल पर कार्य चाहिए- विधायक

दसवें दिन विभिन्न समाजों, सामाजिक संगठनों व ग्रामवासियों ने निकाली 9 ट्राली गंदगी

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। जागरूक एवं लोकप्रिय विधायक श्री विपिन जैन के आव्हान पर चल रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान में बडी संख्या में श्रमदानी शिवना तट पर पहुंचकर अपना पसीना बहा रहे और शिवना से जलकुंभी व गाद को बाहर निकाल रहे है। अभियान के दसवें दिन 10 मई को 9 ट्राली जलकुंभी व गाद नदी से बाहर निकाली गई। आज के दिन भावसार समाज, खटिक समाज, एप्पल वैली स्कूल, निडर युवा संस्था, पतंजलि योग संगठन, दशपुर जागृति संगठन, कांग्रेसजन सहित पिपलियामंडी, रलायता, रिच्छाबच्चा, नंदावता गांव से आये श्रमदानियों ने श्रमदान किया।

विधायक श्री विपिन जैन ने कहा कि मुझे मंच, माला और जय-जयकार नहीं चाहिए। मुझे धरातल पर कार्य चाहिए। मेरा जो शिवना शुद्धिकरण का जो संकल्प है वह मैं आमजन के सहयोग से धरातल पर कार्य कर रहा हूँ। भविष्य में इसमें

प्रगति आमजन को देखने को मिलेगी। मैं आमजन से अपील करता हूँ कि आप भी दो घण्टा शिवना नदी के शुद्धिकरण में आईये और श्रमदान कर इस महत्वपूर्ण कार्य में पुण्य लाभ ले। मीडिया प्रभारी राजनारायण लाड ने बताया कि शिवना शुद्धिकरण अभियान 15 मई तक आयोजित किया जाएगा। लेकिन नागरिकों का ऐसे ही सहयोग मिलता रहा तो इस अभियान को आगे भी बढाया जाएगा। शनिवार को शिवना शुद्धिकरण अभियान में विधायक विपिन जैन, प्रकाश रातडिया, राघवेन्द्रसिंह तोमर, अनिल शर्मा, तरूण खिंची, तुलसीराम पाटीदार, संजय सोनी, अजीतसिंह शक्तावत, दिनेश कल्याणी, कमलेश जैन निम्बोद, राजीव गुलाटी, मनोहर नाहटा, विनोद शर्मा (जवासिया), संजय नाहर, राजेश फरक्या, विश्वास दुबे, रमेश सिंगार, साबिर इलेक्टीशियन, गोविन्द सुराह, पंकज रैकवार, मुर्तुजा घड़ियाली, हिम्मत पोखरना, अजय सोनी, रमेश ब्रिजवानी, सादिक गोरी, राजेश खींची, महेश गुप्ता, निर्भयराम गोयल (निम्बोद), ऋषिराज लाड, लक्ष्य चावडा, भव्य शर्मा, आदित्य लाड, आमिन खान, शैलेन्द्र गोस्वामी, शिवशंकर सौलंकी, राकेश सेन, मनोहर रत्नावत, गणपत कुमावत, सोहन धाकड (धमनार), महिला नेत्री इष्ट भाचावत, रफत पयामी, सोनाली जैन, अनिता भदौरिया, रीना बसेर, अंशिका उपाध्याय, शैली पोरवाल, प्रमिला पंवार, दीपाली पोरवाल, मिताली पोरवाल, सरला कल्याणी, दिप्ती पोखरना, समाजसेवी कनेश सोनी, हेमन्त जैसवार, मनोज जैसवार, महेश दुबे, राजू सतीदासानी, रामचन्द्र मालवीय (रिटायर्ड टीआई), एम्ब्रोज वाल्टर, विजय आनन्द, रमेश सोनी, पतंजलि योग गुरू बंशीलाल टांक, चन्द्रमोहन भगत (लेखक, पत्रकार), नरेन्द्र विश्वकर्मा, नाहरू खां मेव, दशपुर जागृति संगठन से सत्येन्द्रसिंह सोम, खटिक समाज के घीसालाल खींची, हीरालाल सांवलिया, महेश बागडी, राहुल खिंची, उमेश नैक्स, भावसार समाज के महेश भावसार, श्याम डाबी, जगदीश भावसार, मनीष भावसार, घनश्याम भावसार, ओमप्रकाश भावसार, जयंत भावसार, आस्था भावसार, सुधांशु भावसार, एप्पल वैली स्कूल मंदसौर के जयंत भटनागर, राधा देवडा, मोना धनोतिया, भारती भाटी, सुनीता टांडी, मधूमीता बारीक, संध्या जैन, एंजल ज्योति, मीना खत्री, माया, निडर युवा सेवा संस्था से सोहेल खान, देवेन्द्र पडियार, शहजाद हुसैन, युनस मंसूरी, प्रकाश सांखला, पिपलियामंडी से आये डॉ. राकेश जैन, शीतल शर्मा, अनिल मालवीय, अनिल बोराना, अनिल शर्मा पटेला गांव से आये विनोद बामनिया, नागेश्वर बामनिया, रिछाबच्चा गांव से सूरज परिहार, नंदावता गांव से आये शंकरलाल मालवीय, नागुलाल परिहार, कचरूलाल आंजना, रामलाल नेक्स, ईश्वरलाल मालवीय सहित बडी संख्या में गणमान्य नागरिकों ने पहुंच कर श्रमदान मे सहभागिता की।

बद्रीविशाल मंदिर पर नृसिंह लीला का मंचन आज

मनासा, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। नरसिंह चतुर्दर्शी पर मंदिरों की नगरी मनासा के नगर नायक बद्री विशाल मंदिर पर नृसिंह लीला का रोमांचकारी मंचन आज 11 मई को किया जाएगा। जिसको देखने व दर्शन के लिए हजारों की संख्या में भक्तो की भीड मंदिर के सामने चौक में उमडेगी। बद्रीविशाल मंदिर पर हर वर्ष नृसिंह चतुर्दशी पर इस रोमांचकारी लीला का आयोजन किया जाता है। नृसिंह जयंती पर शाम के समय जब न दिन होता है न रात नृसिह लीला का आयोजन किया जाता है पुराणिक कथाओं के अनुसार भक्त प्रह्लाद के पिता हरण्यकश्यप को वरदान था की वह न दिन में मारा जाय न रात में न अस्त्र से न शस्त्र न मनुष्य के हाथो न स्त्री के हाथो से। ज्ञात हो की नरसिंह लीला में भगवान नृसिंह के पात्र बने कलाकार को मंत्रोचार के साथ पूजा कर खम्ब (कोठी) में बैठाया जाता है वह हृण्यकश्यप बने पात्र द्वारा मंदिर की सीढियों पर कई बार दौड लगाई जाती है ठीक सूर्यास्त के समय कोठी में से क्रोध में तमतमाए भगवान नृसिंह प्रकट होते हे और दुष्ट राजा हरिण्यकश्यप का वध करते है। क्रोध में तमतमाए भगवान नृसिंह को भक्तो द्वारा अपने कंधों पर उठते हुवे मंदिर की सीढियों पर लाया जाता है जहा उपस्थित जनसमुदाय दर्शन देते हे बाद मे उनके क्रोध को शांत कर आरती की जाती है।

आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं को आपातकालीन स्थिति के लिए तैयार रहने के लिए जारी किए निर्देश

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुपालन में, प्रदेश के आयुष विभाग ने समस्त आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं को आपातकालीन स्थिति के लिए तैयारी के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं।

उप संचालक आयुष डॉ. राजीव मिश्र ने बताया कि प्रदेश की समस्त आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं को पूर्ण क्षमता के साथ क्रियाशील रहने को निर्देशित किया गया है। यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया है कि समस्त आयुष चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टॉफ एवं सहायक कर्मचारी ड्यूटी पर उपस्थित रहें और वर्तमान स्थिति में अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाए। डॉ. मिश्र ने बताया कि एम्बुलेंस, उपलब्धतानुसार मोबाइल चिकित्सा इकाई एवं अन्य आपातकालीन वाहन, आवश्यक जीवन रक्षक उपकरणों सहित तत्पर अवस्था में रखने के निर्देश दिए गए हैं। औषधियों की उपलब्धता की सतत् समीक्षा करने एवं आवश्यकता पडने पर संचालनालय को तत्काल अवगत कराने को कहा गया हैं। डॉ. मिश्र ने बताया कि समस्त आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं में आवश्यक चिकित्सीय उपकरण, स्ट्रेचर, रिएजेन्ट, ऑक्सीजन, जीवन रक्षक प्रणाली की 24द7 उपलब्धता और चिकित्सालयों में शैय्या की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। चिकित्सालयों में उपलब्धता अनुसार ऑपरेशन थियेटर के संचालन के लिए आवश्यक सामग्री की उपलब्धता, पैथालॉजी लैब का उपलब्धतानुसार संचालन सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है। आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं में जहां ब्लड बैंक उपलब्ध हैं, वहां आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने को कहा गया है। जिला आयुष कार्यालय अधीनस्थ एवं आयुष महाविद्यालय अधीनस्थ आयुष मानव संसाधन एवं पैरामेडिकल स्टॉफ का उन्मुखीकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। निजी आयुष चिकित्सालयों एवं शिक्षण चिकित्सालयों का इस संबंध में संवेदीकरण करने को कहा गया है। साइबर सुरक्षा के संबंध में संबंधित स्टॉफ को संवेदनशील रहने के लिए भी निर्देशित किया गया है। अग्रिम पंक्ति कार्यकर्ताओं/स्वयं सेवकों की पहचान तथा प्रमुख स्वयंसेवी संस्थाओं/प्रमुख सामुदायिक संगठन (CBOs) के साथ समन्वय स्थापित करने को भी कहा गया है, विशेष रूप से उन संस्थाओ से जिनके सदस्य प्रथम प्रत्युरकर्ता के रूप में प्रशिक्षित (already trained as first responders) हैं। समस्त आयुष स्वास्थ्य संस्थाओं में, उक्त निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्थानीय स्तर पर कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया है।

देहदान की राह नहीं आसान

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। एक तरफ समाचार पत्रों के माध्यम से यह प्रचारित किया जाता है कि मृत्यु के पश्चात् देहदान करने वालों की संख्या नगण्य होने के कारण चिकित्सा के विद्यार्थियों को शोध कार्य में काफी परेशानी का सामना करना पडता है वहीं पर जब किसी परिवार में सदस्य की मृत्यु होने पर दु:ख का पहाड टूट पडता है फिर भी कुछ लोग संकट की इस विकट घड़ी में भी स्थिरचित्त रखकर देहदान करना चाहते हैं लेकिन विडम्बना देखिए कि मन्दसौर मेडिकल कॉलेज में देहदान के सम्बन्ध में उपलब्ध सुविधा व प्रक्रिया के बारे में आमजन को कोई जानकारी ही नहीं है।

हाल ही में एक प्रकरण सामने आया है। नाहरगढ के पास ग्राम झलारा में एक व्यक्ति की रात्रि में मृत्यु हो गई, उस व्यक्ति की अंतिम इच्छानुसार देहदान हेतु काफी प्रयास किए गए किंतु निराशा ही हाथ लगी और अंत में हारकर अंतिम संस्कार ही करना पडा। तत्संबंध में मेडिकल कॉलेज प्रशासन से विनम्र निवेदन है कि रात्रि में मृत्यु होने पर शव को सुरक्षित रखने की व्यवस्था के साथ ही शव को लाने की सुविधा दु:ख के इन पलों में मेडिकल कॉलेज की ओर से होना चाहिए, साथ ही मेडिकल कॉलेज की ओर से 'देहदान व नेत्रदान' के सम्बन्ध में उपलब्ध सुविधा व प्रक्रिया के बारे में सभी प्रचार माध्यमों से प्रचारित किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग 'देहदान व नेत्रदान' हेतु प्रेरित हो सके।

पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस मंदसौर में नशा मुक्ति जागरूकता परिचर्चा एवं शपथ सम्पन्न

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. जे. एस. दुबे ने बताया कि इण्डियन रेडक्रास सोसायटी मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब, यूथ रेडक्रॉस एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के द्वारा विद्यार्थियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों को विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर 'नशे के दुष्प्रभाव एवं बचाव' विषय पर परिचर्चा का आयोजन कर नशा मुक्ति शपथ दिलाई गई। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में बढती हुई मद्यपान तथा नशीली दवा, मादक पदार्थों के दुष्परिणामों से युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज को अवगत कराया जाकर, नशा सेवन प्रवृत्ति की रोकथाम हेतु जनजागृति एवं चेतना निर्माण किया जाकर

मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाना है। उक्त परिचर्चा में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनिल कुमार आर्य ने विद्यार्थियों को नशे के सेवन से दूर रहने हेतु नशा मुक्ति शपथ दिलाई।

इस अवसर पर समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. भारत सिंह कलेश ने विद्यार्थियों को कहा कि हमें मादक द्रव्यों का सेवन नहीं करना चाहिए। नशे के सेवन करने वाले की बुद्धि भ्रष्ट हो जाने पर उसका सर्वनाश हो जाता है। समाजशास्त्र विभाग के प्रो. संजय पंवार ने कहा कि नशा सभ्य समाज के लिए अभिशाप है। नशे से दूर रहने के लिए हमें दृढ संकल्प लेना होगा। इस अवसर पर एम.ए.(हिन्दी) के विद्यार्थी एवं एन.एस.एस. स्वयंसेवक उपस्थित थे।

मंदसौर में लोक अदालत का आयोजन, न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर जिला न्यायालय परिसर में लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश कपिल मेहता द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। यह अवसर जिले के न्यायिक इतिहास में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोडने वाला रहा। कार्यक्रम में मंदसौर जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार और मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायमूर्ति जी. डी. सक्सेना की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिससे आयोजन को विशेष महत्व प्राप्त हुआ।

लोक अदालत: त्वरित न्याय का प्रभावी माध्यम– जिला न्यायाधीश कपिल मेहता ने अपने संबोधन में कहा कि लोक अदालतें न केवल न्याय प्रक्रिया को गति देती हैं, बल्कि यह जनमानस का विश्वास न्यायालय प्रणाली में बढाती हैं। उन्होंने कहा कि जितने अधिक मामले लोक अदालतों के माध्यम से निपटाए जाएंगे, उतनी ही शीघ्रता से

लोगों को न्याय मिलेगा।

उन्होंने अभिभाषकों को विशेष धन्यवाद देते हुए कहा कि वे इस प्रक्रिया को सरल और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनका सहयोग प्रशंसनीय है, जो बिना किसी स्वार्थ के न्यायिक सेवा में तत्पर रहते हैं।

अभिभाषकों की नि:स्वार्थ भूमिका सराहनीय– अभिभाषक संघ के अध्यक्ष रघुवीर सिंह पवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि लोक अदालत में कार्य करते समय अभिभाषकों ने कभी भी निजी लाभ या फीस को प्राथमिकता नहीं दी। उनका उद्देश्य सदैव आपसी समझौते के माध्यम से त्वरित और सुलभ न्याय सुनिश्चित करना रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि लोक अदालतें न केवल मामलों को तेजी से निपटाती हैं, बल्कि इससे पक्षकारों को समय और धन दोनों की बचत होती है। यह प्रक्रिया सुलह-सफाई के सिद्धांत पर आधारित है, जो समाज में सौहार्द का वातावरण बनाती है।

लंबित मामलों के बोझ से मिलेगी राहत– कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने एक मत से कहा कि लोक अदालतें न्यायालयों पर बढते हुए लंबित मामलों के दबाव को भी कम कर सकती हैं। यदि अधिकतर छोटेव विवादास्पद मामले लोक अदालतों के माध्यम से निपटाए जाएं, तो न्यायपालिका पर बोझ कम होगा और जटिल मामलों पर न्यायाधीश अधिक ध्यान दे सकेंगे। पूर्व न्यायमूर्ति जीडी सक्सेना ने इस पहल को न्याय प्रणाली के लिए सकारात्मक कदम बताया और कहा कि जनहित में ऐसे प्रयासों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

न्यायिक सुधार की दिशा में सार्थक पहल– इस आयोजन ने यह स्पष्ट कर दिया कि लोक अदालतें देश की न्याय प्रणाली को सशक्त बनाने का एक मजबूत साधन हैं। इससे न केवल आम जनता को शीघ्र न्याय मिलता है, बल्कि आपसी विवाद भी सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाए जा सकते हैं। मंदसौर में आयोजित यह लोक अदालत, न्यायिक सुधारों की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम साबित हुई है।

क्रमांक 2715001/2014/ई.डी.पी./ई-टेण्डरिंग/406/1546

कार्यालय प्रमुख अभियंता

जल संसाधन विभाग, जल संसाधन भवन, तुलसी नगर, भोपाल

ई-मेल-mpwrdtenders@gmail.com, edpcell.encwrd.bpl@mp.gov.in फोन-0755-2553402, फैक्स-0755-2552406

**** निविदा आमंत्रण सूचना ****

निविदा सूचना क्रमांक-604/2715001/ई.डी.पी./2021-22/प्र.अ./ई-टेण्डरिंग भोपाल, दिनांक-07.05.2025

निम्न कार्यों हेतु निविदा वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई है। निविदा प्रपत्र वेबसाईट पर दिनांक 27.05.2025 को 17.30 बजे तक क्रय/ डाउनलोड तथा प्रस्तुत किये जा सकते है। निविदा में संशोधन की स्थिति में वेबसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना व अन्य जानकारी उक्त वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

स.क्रं.	निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	जिला	राशि रु. लाख में
1	2025_WRD_413676	सिंहावल मुख्य नहर प्रणाली के विभिन्न आर.डी. पर स्थापित सी.आर.एच.आर. एवं स्केप गेट के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	शहडोल	6.71
2	2025_WRD_413677	सिंहावल नहर प्रणाली की सिहावल मुख्य नगर के विभिन्न आर.डी. पर स्थापित सी.आर.एच.आर. एवं स्केप गेट के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	शहडोल	3.81
3	2025_WRD_413678	महान मुख्य नहर के माईनर एवं सब माईनर गेटों के मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य।	शहडोल	4.01
4	2025_WRD_414093	उपसंभाग भीकनगांव एवं बड़वाह के 06 नग जलाशयों के 11 जलद्वारों का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	1.68
5	2025_WRD_414097	संभाग बड़वानी के 07 नग जलाशयों के 16 नग जलद्वारा का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	1.68
6	2025_WRD_414098	उपसंभाग सरदार के 08 नग जलाशयों के 16 नग जलद्वारा का सुधार एवं रखरखाव कार्य।	धार	1.69
7	2025_WRD_414310	रलायता, ढाबला देवल, निम्बोद, नकेड़िया, असावती, चौसला, टकरावद, आसपुरा, बनी एवं रहीमगढ़ तालाबों का मरम्मत एवं रख रखाव कार्य।	मंदसौर	17.93
8	2025_WRD_414312	भालोट, करोली, अजयपुर, देवरी, देवरिया विजय, गोपालपुरा व फतेहपुर चिकली तालाबों का मरम्मत एवं रख रखाव कार्य।	मंदसौर	13.89
9	2025_WRD_417086	महान परियोजना गुलाब सागर बांध से सटी हुई कालोनी, शासकीय कार्यालय एवं हटमेंटस के बाह्य प्रकाश व्यवस्था एवं आंतरिक विद्युतीकरण के सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	मंदसौर	0.84
10	2025_WRD_417087	बाणसागर त्योंथर उद्वहन सिंचाई में स्थापित 33/66 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र में सी.टी. के स्थापना का कार्य।	शहडोल	0.84
11	2025_WRD_417490	उपसंभाग कुक्षी एवं बाग के 15 नग जलाशयों के 27 नग जलद्वारों का सुधार एवं रख रखाव कार्य।	धार	1.65
12	2025_WRD_418297	उपसंभाग राणापुर के 11 नग जलाशयों के 20 नग जलद्वारों का सुधार एवं रख रखाव कार्य।	धार	1.69
13	2025_WRD_418303	संभाग धार के 11 नग जलाशयों के 23 नग जलद्वारों का सुधार एवं रख रखाव कार्य।	धार	1.66
14	2025_WRD_418479	कार्यालय उप संचालक मिट्टी एवं धातु परीक्षण प्रयोगशाला हथाईखेड़ा भोपाल हेतु वाहन किराये पर लेना।	भोपाल	3.42
15	2025_WRD_418579	छतरी बैराज का मरम्मत कार्य	सिहोर	5.09
16	2025_WRD_418655	बेरोल बैराज के पांच नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	7.79
17	2025_WRD_418661	झारा वियर पर 10 नग जलद्वारों साइज का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	10.52
18	2025_WRD_418662	अग्नि-2 बैराज के पांच नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	7.83
19	2025_WRD_418664	थावरी बैराज के 9 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	8.35
20	2025_WRD_418666	ब्राहमन पिपलिया बैराज के 11 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	10.36
21	2025_WRD_418667	जोगीभड़क बैराज के 4 नग जलद्वारों का प्रदाय एवं फेब्रीकेशन का कार्य।	भोपाल	10.99
22	2025_WRD_418669	जलद्वारों के निर्माण हेतु एम.एस. राउण्ड बार 63 एमएम के स्क्रेअर थ्रेडिंग का कार्य।	भोपाल	186
23	2025_WRD_418670	विभिन्न जल संसाधनों संभागों के जलद्वारों के लिए डब्लू डब्लू90 हेड स्टॉक (63 एमएम डाया नट) के प्रदाय, कास्टिंग मशीनिंग एवं असेम्बली का कार्य।	भोपाल	11.60
24	2025_WRD_418756	दिमनी, बुधारा, शुक्लपुरा, मोदाना, परा, गोपी, रुपहटी, कोथरखुर्द, सिकरा, रानी विरगंवा स्टॉप डेम कम काजवे कार्य।	मुरैना	4.07
25	2025_WRD_418973	तरपेड़ तालाब की नहर का मरम्मत कार्य।	छतरपुर	15.99
26	2025_WRD_419126	सांगा तालाब का वार्षिक मरम्मत कार्य।	झाबुआ	4.14
27	2025_WRD_419280	रातापानी लघु तालाब की मुख्य नहर की क्षतिग्रस्त चैनल का पुनः निर्माण कार्य।	रायसेन	16.73
28	2025_WRD_419288	रणायरा, गर्रावद, रतन पिपलिया एवं मिण्डलाखेड़ा तालाब का वार्षिक रखरखाव।	मंदसौर	17.86
29	2025_WRD_419432	मरुमनाला मध्यम जलाशय की नहरों की साफ-सफाई का कार्य।	बालाघाट	2.91
30	2025_WRD_419753	पन्ना जिले में निर्मित विभिन्न लघु सिंचाई जलाशयों में स्थापित विभिन्न आकार के 14 नग जलद्वारों का मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	1.99
31	2025_WRD_419755	पन्ना जिले में निर्मित विभिन्न लघु सिंचाई जलाशयों में स्थापित विभिन्न आकार के 235 नग जलद्वारों का मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	3.09
32	2025_WRD_419757	दमोह जिले में निर्मित विभिन्न लघु सिंचाई जलाशयों में स्थापित विभिन्न आकार के 08 नग जलद्वारों का मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	3.56
33	2025_WRD_419759	बीला मध्यम सिंचाई परियोजना के 01 नग फीडर गेट एवं 03 नग एस्केप गेट (प्रत्येक साईज 1500 से 1500 एमएम) के मरम्मत एवं अन्य कार्य।	सागर	3.68
34	2025_WRD_419827	खरगोन जिले में ई-टाईप बंगले की बाउण्ड्री वाल का निर्माण कार्य प्रतिशत दर पर।	खंडवा	15.13
35	2025_WRD_420430	बसनेर, कालिकामाता, भाडली, शाहपुरा, मांगरुल, बोरगांव, डोंगरगांव, आंवली बैरागी, नवलपुराखेड़ी, एवं सुल्तानपुरा बैराज के गेट लगाने एवं निकालने का कार्य।	खरगोन	8.42
36	2025_WRD_420496	जुगवारा तालाब के बांध का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	पन्ना	15.44
37	2025_WRD_420603	तवा आर.बी.सी. के इंटेक, डोकरीखेड़ा, आमादेही, हनोतिया लघु जलाश की वर्षा पूर्व आयलिंग, ग्रीसिंग कम्पाउडिंग, सुधार एवं मरम्मत कार्य।	नर्मदापुरम	0.60
38	2025_WRD_420604	चंदोरा बांध के 1 नग स्लूज गेट बदलने का कार्य।	नर्मदापुरम	0.99
39	2025_WRD_420605	उपसंभाग तवानगर के ओ.टी.सी. कैम्पस में विद्युती संबंधी सुधार कार्य।	नर्मदापुरम	0.84
40	2025_WRD_420606	उपसंभाग शाहपुर एवं बैतूल के 12 लघु जलाशय के 15 नग स्लूस गेटों एवं 1 नग नहर गेटों का वर्ष पूर्व सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	0.85
41	2025_WRD_420607	केसला विकासखंड (सुखतवा के पास) स्थित लघु जलाशयों के स्लूस गेटों का मरम्मत एवं सुधार कार्य।	नर्मदापुरम	0.82
42	2025_WRD_420608	उपसंभाग आमला के एवं 10 लघु जलाशयों के 16 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	0.85
43	2025_WRD_420610	उपसंभाग प्रभात पटटन के 10 लघु जलाशयों के 18 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	0.85
44	2025_WRD_420611	उपसंभाग आठनेर के 10 लघु जलाशयों के 16 नग स्लूस गेटों का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	0.85
45	2025_WRD_420613	केसला विकासखंड (इटारसी के पास) स्थित लघु जलाशयों के स्लूस गेटों का मरम्मत एवं सुधार कार्य।	नर्मदापुरम	0.76
46	2025_WRD_420614	तवा बांध के तवानगर पर स्थित 100 टन ग्रेन्टीक्रेन एवं रेडियल क्रेस्ट गेटस के कंट्रोल पेनल के विद्युत उपकरणो का वर्षा पूर्व सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	0.85
47	2025_WRD_420615	बारना कालोनी बाड़ी की जल प्रदाय व्यवस्था हेतु वाटर स्टोरेज टैंक का प्रदाय।	नर्मदापुरम	0.64
48	2025_WRD_420616	अधीक्षण यंत्री, तवा, कोलार, संभागीय एवं उपसंभागीय कार्यालय में स्थापित छत एवं दीवार पंखों का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	नर्मदापुरम	0.48
49	2025_WRD_420805	संजय सागर (बाह) मध्यम परियोजना के 12 नग रेडियल गेटस एवं 04 नग स्लूस गेटस का वर्षापूर्व मरम्मत का कार्य।	भोपाल	6.05
50	2025_WRD_420809	भिलय टेंक के 01 नग स्लूस गेट का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	1.18
51	2025_WRD_420813	जल संसाधन संभाग अशोक नगर के 31 माईनर टैक्स के 54 नग हेड स्लूस गेटस एवं 02 नग मध्यम टेंक का सुधार एवं मरम्मत का कार्य	भोपाल	9.63
52	2025_WRD_420837	दाहोद बांध वेस्ट वियर गेटस का सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	4.27
53	2025_WRD_420838	बाकपुरा बांध, राजगढ़ के फिक्स्ड व्हील वर्टीकल लिफ्ट गेटस की ओइलिंग ग्रीसिंग एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	1.71
54	2025_WRD_420839	झोलियापुर बैराज की बैराज के वर्टीकल लिफ्ट गेटस एवं आर.बी.एम.सी. व एल.बी.एम.सी. हेड स्लूस गेटस का मरम्मत का कार्य।	भोपाल	2.43
55	2025_WRD_420840	कालियासोत बांध के 13 नग गेटस एवं 04 नग हेड स्लूस गेटस का वार्षिक सुधार एवं मरम्मत का कार्य।	भोपाल	2.74
56	2025_WRD_420975	सागपुर स्टापडेम का सुधार व मरम्मत का कार्य।	रायसेन	12.73
57	2025_WRD_421053	माही मुख्य बांध के 08 नग रेडियल गेट, 03 नग स्लूस गेट एवं मोनोरेल का वर्षा पूर्व मरम्मत एवं रखरखाव कार्य।	धार	7.55
58	2025_WRD_421054	माही उप बांध के 04 नग रेडियल गेट, 02 नग स्लूस गेट के वर्षा पूर्व मरम्मत एवं रख रखाव कार्य।	धार	4.98
59	2025_WRD_421056	बरखेड़ा मध्यम परियोजना के 10 नग रेडियल गेट एवं 04 नग स्लूस गेट के वर्ष 2025 हेतु रख रखाव कार्य।	धार	2.89
60	2025_WRD_421063	नगपुरा नगझिरी लघु सिंचाई योजना की बॉयी तट नहर की आर.डी. 800 मीटर से 1440 मी. तक लाईनिंग का कार्य।	रायसेन	16.36
61	2025_WRD_421064	नगपुरा नगझिरी लघु सिंचाई योजना की बॉयी तट नहर की आर.डी. 1425 मीटर से 13600 मीटर विभिन्न रीच में लाईनिंग का कार्य।	रायसेन	16.78
			कुल योग	347.58

G-12627/25 यातायात नियमों का रखो ध्यान, दुर्घटनाओं पर लगाओ पूर्ण विराम। मुख्य अभियंता (प्रोक्योरमेंट)

अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें, नागरिक सेवाओं को करें सुनिश्चित-मुख्यमंत्री

विभागों के कार्य भी समानांतर रूप से जारी रहें, जिलों को दी गई भारत सरकार के निर्देशों की जानकारी

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय परिस्थितियों और वर्तमान परिदृश्य के दृष्टिगत शुक्रवार शाम एक उच्च स्तरीय बैठक कर वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ सुरक्षा प्रबंधों पर गहन चर्चा की। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जिलों के कलेक्टर्स और पुलिस अधीक्षकों को भी आवश्यक निर्देश दिए गए। शुक्रवार प्रात: भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में चर्चा कर निर्देश दिए थे। प्रदेश के मैदानी अधिकारियों के साथ शाम को हुई बैठक में विभिन्न प्राथमिकताओं पर चर्चा की। बैठक मंठ भारत सरकार से प्राप्त विस्तृत दिशा-निर्देशों की जानकारी से जिलों को अवगत करवाया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी अधिकारी अलर्ट मोड पर रहें। अधिकारी मैदान में दिखें। जनप्रतिनिधियों को भी विश्वास में लिया जाए और आवश्यक जनसहयोग प्राप्त किया जाए। आवश्यक सेवाओं को बनाए रखने में भी वॉलिंटियर्स का आवश्यक सहयोग प्राप्त किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में रिटायर्ड फौजियों सहित सामाजिक कार्यों से जुडे वॉलिंटियर्स की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। अपराधियों के साथ किसी तरह की नरमी नहीं बरती जाए। घटना घटित होने के पूर्व आवश्यक सावधानी बरती जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को निर्देश दिए कि नागरिकों के लिए आवश्यक सेवाएं भी समानांतर रूप से प्रदान करने का कार्य होता रहे। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में हुई बैठक में जानकारी दी गई कि राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष के अलावा जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष कार्य करेंगे। सभी नियंत्रण कक्ष वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित होंगे। फायर ब्रिगेड सेवाएं, स्वास्थ्य सेवाएं, बिजली की सप्लाई, पेयजल व्यवस्था नियमित रूप से बनी रहे, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

सभी जिलों में की जाएगी मॉक ड्रिल, भ्रामक कंटेंट पर होगी सख्त कार्रवाई- बैठक में निर्देशित किया गया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक कंटेंट भेजने वालों के विरुद्ध कारवाई होगी। वरिष्ठ अधिकारी अवकाश पर नहीं जाएंगे। सभी जिलों में इमरजेंसी सेवाएं सुनिश्चित करते हुए सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा के संबंध में भारत सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन का कार्य होगा। बैठक में जानकारी दी गई कि आवश्यक सायरन की व्यवस्था भी जिलों में रहेगी। निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुरूप नागरिकों को सुरक्षा के लिए सजग किया जा रहा है। आवश्यकता के अनुसार वॉलिंटियर्स एवं नागरिकों को प्रशिक्षित करने का कार्य भी किया जाएगा। जिलों में मॉक ड्रिल भी समय-समय पर होगी और रात्रि गश्त पुलिस की ओर से निरंतर होगी। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास श्री संजय कुमार शुक्ल, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग श्री संजय दुबे, होमगार्ड महानिदेशक श्री अरविंद कुमार, एडीजी इंटेलीजेंस श्री ए. साई मनोहर तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

आम नागरिक सोशल मीडिया पर मनगढ़ंत एवं भड़काऊ पोस्ट प्रसारित न करें

केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशों के क्रियान्वयन के संबंध बैठक संपन्न

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। आपदा प्रबंधन को दृष्टिगत रखते हुए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशों के क्रियान्वयन के संबंध में पुलिस कंट्रोल रूम में बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग, पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक आनंद, कर्नल श्री ज्योति प्रकाश, इंडियन एयर डिफेंस, अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल, सीईओ जिला पंचायत श्री अनुकूल जैन, जिलाधिकारी, पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान निर्देश दिए की, सोशल मीडिया पर पूर्ण निगरानी रखे तथा देश के विरूद्ध भडकाउ पोस्ट अथवा सामग्री पर तुरंत कानूनी कार्यवाही करें, जिससे कि प्रदेश में माहौल खराब न हो। इस हेतु भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें। आम नागरिक किसी भी तरह की भ्रामक खबरें सोशल मीडिया पर प्रसारित न करें। व्हाटसएप ग्रुपों में फेक खबर, भडकाऊपोस्ट डालने पर ग्रुप एडमिन इसके लिए जिम्मेदार होंगे। ग्रुप एडमिन की जिम्मेदारी होगी कि तत्काल ऐसी पोस्ट को ग्रुप से डिलीट करवाए। आपातकालीन स्थिति में पुलिस कंट्रोल रूम नंबर 07422220500, 07422242424, 7049101039 24स7 घंटे चालू रहेगा। इसके साथ ही कंट्रोल रूम के व्हाटसएप नंबर 7049101039 पर भी कोई सूचना या जानकारी, हो तो भेज सकते हैं। सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरे, आपत्तिजनक खबरों का प्रसार हो रहा है तो पुलिस कंट्रोल रूम को तुरंत जानकारी या सूचना भेजे। आपदा प्रबन्धन के दृष्टिगत समस्त अस्पतालों में सभी प्रकार की आवश्यक जीवन रक्षक दवाईयां, उपकरण उपलब्ध रहें। डाक्टर मय स्टाफ उपस्थित रहे तथा ब्लड बैंक में सभी ग्रुपों के रक्त की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध रहे। स्पेशलिस्ट डॉक्टर की जानकारी रखें। सूची बनाएं। सेवानिवृत डॉ की सूची बनाएं। बर्न वार्ड टॅपरेरी स्तर पर सभी अनुभाग में बनाएं। अग्निशमन सेवाओं को सक्रिय रखा जाए। इस हेतु उपकरणों की जांच इत्यादि कर ली जाए।

जिला आपूर्ति विभाग को निर्देश दिए की, जिले में पर्याप्त खादय सामग्री, पेट्रोल- डीजल, घरेलू गैस इत्यादि उपलब्ध रहें। लोग खादय सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का अनावश्यक भण्डारण नहीं करें। जिले के पेट्रोल पंप की सूची, पेट्रोल भंडार ग्रह की सूची उपलब्ध कराए। लोक स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग यह सुनिश्चित करे कि पेयजल की पूर्ण व्यवस्था उपलब्ध रहे। वर्तमान में पानी सप्लाई की क्या व्यवस्थाएं हैं। संसाधनों की जानकारी साझा करें। पुलिस विभाग संवेदनशील स्थलों की सूची को अद्यतन करें। जिसमें अस्पताल, पावर प्लांट, तेल एवं गैस के डिपो, धार्मिक स्थल, भारत सरकार के संस्थान की जानकारी अद्यतन कर रखी जाए। लोक निर्माण विभाग सडकें, पुलों की देखभाल एवं सुरक्षा सुनिश्चित करें। संचार सेवाओं को सुचारू बनाया जाए। इस हेतु दूरसंचार कंपनियों के साथ समन्वय करें। उर्जा विभाग विद्युत प्रदाय की निरंतर आपूर्ति की व्यवस्था सुनिश्चित करें। सब स्टेशनों की जानकारी संधारित करें। थाना प्रभारी शस्त्र लाइसेंस की सूची अपडेट करें। शस्त्र को वेरीफाई भी करें। निरंतर पुलिसिंग को बढाया जाए। होटल, धर्मशाला की लगातार चेकिंग करें। नियमों के विरुद्ध होटल संचालित होने पर 188 के तहत कार्यवाही करें। अति आवश्यक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने की व्यवस्था करें। ऐसे क्षेत्र को चिन्हित भी करें। एसडीएम स्तर पर क्रिक रिस्पॉन्स टीम बनाएं। ग्राम स्तर पर वोलेंटियर की सूची बनाएं।

लोक अदालत की 17 खंडपीठों के माध्यम से 143 न्यायालय में लंबित एवं 379 प्रीलिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण

नीमच, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय नीमच तथा तहसील मुख्यालय मनासा एवं जावद न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला न्यायाधीश श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच की सचिव श्रीमती शोभना मीणा के नेतृत्व में 10 मई शनिवार को नेशनल लोक अदालत आयोजित की गई।

जिला न्यायालय परिसर में स्थित ए.डी.आर. सेंटर में मुख्य न्यायाधिपति मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से लोक अदालत का उद्घाटन किया गया। जिसमें जिला नीमच के प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीमच के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सिंह राजपूत, विशेष न्यायाधीश श्री आलोक कुमार सक्सेना, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय डॉ. श्री कुलदीप जैन, जिला न्यायाधीश श्री राकेश कुमार शर्मा, श्री जितेन्द्र कुमार बाजोलिया, श्रीमती रश्मि मिश्रा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री रवि कुमार बौरासी, न्यायिक मजिस्टेट डॉ. श्रीमती रेखा मरकाम, श्रीमती पूजा पाठक बौरासी, सुश्री अंकिता गुप्ता, श्री विशाल खाडे, श्री अंकित जैन, श्री अभय प्रताप सिंह, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, खण्डपीठ सदस्यगण, पैरालीगल वॉलेंटियर्स, न्यायिक कर्मचारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारीगण आदि उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम के उपरांत जिले में गठित खंडपीठों में लोक अदालत की कार्यवाही, खंडपीठों के पीठासीन अधिकारीगणों द्वारा प्रारंभ की गई, जोकि सायं 05:30 बजे तक चलती रही। नेशनल लोक अदालत में कुल 17 खण्डपीठों में न्यायालय में लंबित 151 प्रकरणों को रैफर्ड किया गया था, जिनमें से 143 प्रकरण लोक अदालत के माध्यम से निराकृत होकर 339 व्यक्ति लाभान्वित हुये। उक्त लंबित प्रकरणों में से मोटरयान दुर्घटना के 02 प्रकरण निराकृत हुये, जिनमें 30 लाख रूपये का अवार्ड पारित हुआ। न्यायालय में लंबित प्रकरणों में सबसे अधिक चैक अनादरण के 63 प्रकरण उक्त लोक अदालत के माध्यम से निराकृत हुए, जिनमें कुल राशि रूपये 110,48,969/- का अवार्ड पारित हुआ। इसके अतिरिक्त शमनीय आपराधिक प्रकरण के 29 प्रकरण निराकृत हुए, जिसमें 3,32,107/- रूपये का अवार्ड पारित हुआ। 03 अन्य सिविल प्रकरण, तथा 18 पारिवारिक विवादों से संबंधित मामले, सहित कुल 143 न्यायालय में लंबित प्रकरण निराकृत हुये। नेशनल लोक अदालत में कुल 4265 प्रीलिटिगेशन प्रकरण रेफर्ड किये गये थे, जिनमें से 379 प्रकरण उक्त लोक अदालत के माध्यम से निराकृत हुये तथा 222,84,584/- रूपये की वसुली होकर, 575 व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं। यह जानकारी जिला विधिक सहायता अधिकारी नीमच द्वारा दीं।

राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में सहभागिता करें प्रत्येक कार्यकर्ता-दीक्षित

जवानों की सलामती के लिये बालाजी मंदिर पर हनुमान चालीसा का हुआ सामूहिक पाठ

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच द्वारा आज दिनांक 11 मई 2025 को शाम को 05 बजे महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से निकाली जाने वाली भव्य तिरंगा यात्रा में प्रत्येक कार्यकर्ता की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के लिये भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने जिला भाजपा कार्यालय मंदसौर पर आवश्यक बैठक की और कहा की देश की आन बान शान के प्रतिक हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा और बॉर्डर पर युद्ध में जुटे इंडियन आर्मी के जवानों की हौसला अफजाई सलामती के लिये राष्ट्रीय सुरक्षा नागरिक मंच द्वारा निकाली जा रही तिरंगा यात्रा में हम सभी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को सम्मिलित होना है। इस तिरंगा यात्रा में नगर के गणमान्य प्रबुद्धजन, समाजसेवी बन्धु, युवा शक्ति, मातृशक्ति सहित अनेक समाजसेवी संगठन के सैकडोजन सहभागिता करने वाले है। ऐसे में हम सभी का भी नैतिक कर्त्तव्य बनता है की देश की सीमा पर अपनी जान की परवाह किये बिना देश की सुरक्षा जुटे भारतीय सेना के जवानों को अपनी शुभकामना देने के लिये इस तिरंगा यात्रा में उपस्थित होकर यात्रा को सफल बनावें। बैठक के बाद सांय को भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश दीक्षित ने पार्टी पदाधिकारीयों के साथ बस स्टेण्ड स्थित बडे बालाजी मंदीर पर श्री हनुमान चालिसा का पाठ किया और राष्ट्रीय ध्वज को हनुमान जी के चरणों में रख कर इडियन आर्मी के सभी जवानों की सलामती की कामना की। इस अवसर पर अनिल कियावत, मुकेश काला, गणपतसिंह आंजना, धीरज पाटीदार, राजेश पालीवाल, राजेश नामदेव, शिवराजसिंह राणा, नरेन्द्र पाटीदार, राजु चावला, राजकुमार गुप्ता, अंकित सोनी निलेश जैन ,निर्मला गुप्ता, बिंदु चंदे, हिम्मत डांगी, विजय सुराणा, पुरुषोत्तम चंदवानी, विनय दूबेला, अरविंद सारस्वत, विनोद डगवार, विकास सुराना, गोपाल पाटीदार, नरेश चंदवानी, भानुप्रतापसिंह सिसोदिया , राजेश गुर्जर, गौरव अग्रवाल, आशीष गुप्ता, अरूण शर्मा, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, जितेश पंड्या, जीवन शर्मा, पुलकित पटवा, बंटी चौहान, रानू भावसार, बंशी राठौर, निरांत बग्गा, अमल फरक्या, धर्मेन्द्र जटिया, नरेन्द्र पंवार, बंशी धनगर, केशरीमल जटिया, निर्मला चंदवानी, वंदना भावसार, अनूप महेश्वरी, विक्रम सम्राट, नंदलाल गुजरिया, राजेश सोनी, अनीता कोठारी, नितिन शर्मा, प्रदीप सोनी आदि उपस्थित थे।

भारत सरकार का पाक से तनाव के बीच बड़ा फैसला...

किसी भी आतंकी हमले को युद्ध माना जाएगा

नई दिल्ली, 10 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव लगातार बढता जा रहा है। पाकिस्तान की ओर से लगातार मिसाइलें और ड्रोन दागी जा रही है। भारतीय सेना लगातार दुश्मन देश को मुंहतोड़ जवाब दे रही है। बुधवार रात से ही पाकिस्तान लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इसी बीच भारत ने निर्णय लिया है कि भविष्य में किसी भी आतंकी कार्रवाई को भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसी के अनुसार जवाब दिया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में लगातार हाईलेवल मीटिंग चल रही है। शनिवार को भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाई लेवल बैठक बुलाई है। 7 लोक कल्याण मार्ग पर हुई इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, सीडीएस समेत तीनों सेनाओं के अध्यक्ष मौजूद थे।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का मुस्लिम समाज के साथ परिचर्चा कार्यक्रम संपन्न

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का प्रतिवर्ष अनुसार विभिन्न विषयों पर संगोष्ठी कार्यक्रम होता है इसी तारतम्य में हिंदुस्तान कल आज और कल विषय पर परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित हुआ।

मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अखिल भारतीय मार्गदर्शक एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचारक श्री इंद्रेश कुमार के मुख्य अतिथि में एवं मध्य प्रदेश संयोजक श्री फारुख खान की अध्यक्षता में एवं प्रदेश सहसंयोजक अमजद अली, मालवा प्रांत संयोजक फारूक मंसूरी के सानिध्य में यह परिचर्चा मोटिवेशन संगोष्ठी कार्यक्रम हुआ। मंदसौर से मुस्लिम राष्ट्रीय मंच प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री शाकिर हुसैन गढवी, जिला संयोजक शकील खान नूरानी के नेतृत्व में राष्ट्रीय पसमांदा मुस्लिम महासंघ के जिला अध्यक्ष जुल्फिकार शाह, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा जिला महामंत्री अजीजुल्लाह खान, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जिला सह संयोजकद्वय फारुख आगवन अब्दुल हामिद मीर, मौलाना कमरुद्दीन नियारगर, मंदसौर नगर संयोजक सद्दाम गोरी, मंदसौर नगर मंडल संगठन संयोजक हामिद खान जनरेटर वाला, भाजपा नगर मंडल कार्य समिति सदस्य राशिद रोंदेवाला, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच कार्यकर्ता फैजान खान अता अंसारी ने इस कार्यक्रम में सहभागिता की। उक्त आशय की जानकारी वसीम खान ने दी।

तिरंगा यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होवे-चंदवानी

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। पी.एम. कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के जनभागीदारी अध्यक्ष नरेश चंदवानी ने बताया कि भारत पाकिस्तान के युद्ध पर विराम लगा इसमें भारत की जीत हुई है। हमारे भारतीय शूरवीरों भारतीय सैनिकों के सम्मान में रविवार 11 मई को सायं 5 बजे नगर के महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जायेंगी। श्री चंदवानी ने नगर की जनता से अधिक से अधिक संख्या में सम्मिलित होने की अपील की है।

नेशनल लोक अदालत में कुल 800 प्रकरणों का निराकरण कर 59489680/-रूपये के अवार्ड पारित

मंदसौर, 10 मई गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा प्रसारित निर्देशानुसार व प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री कपिल मेहता के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 10 मई, 2025, शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय मंदसौर एवं तहसील न्यायालय गरोठ, भानपुरा, नारायणगढ, सीतामउमें किया गया।

जिला न्यायालय परिसर स्थित ए.डी.आर. सेंटर भवन के सभागृह में माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश श्री कपिल मेहता द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। शुभारंभ कार्यक्रम में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर श्री कपिल मेहता, विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटीज) श्री अजय कुमार सिंह, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री रघुवीर सिंह पंवार ने सम्बोधित कर अपने विचार व्यक्त किये। शुभारंभ कार्यक्रम में आभार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर के सचिव श्री सुधीर सिंह निगवाल द्वारा व्यक्त किया गया, तथा संचालन जिला विधिक सहायता अधिकारी अपर्णा लोधी द्वारा किया गया। उक्त कार्यक्रम में उच्च न्यायालय मध्यप्रदेश के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्री जी.डी. सक्सेना, सेवा निवृत्त न्यायाधीश श्री रघुवीर सिंह चुण्डावत, कुटुम्ब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश श्रीमती प्रिया शर्मा, जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री सिद्धार्थ तिवारी, श्री आसिफ अब्दुल्लाह, श्रीमती शिल्पा तिवारी, श्री विवेक बुखारिया, श्रीमती मंजू सिंह, श्री आलोक प्रताप सिंह, श्री मुनेन्द्र सिंह वर्मा, न्यायाधीशगण श्रीमती रोहिणी तिवारी, श्री राजकुमार त्रिपाठी, श्री चिराग अरोरा, श्रीमती प्राची पाण्डेय माटा, डॉ श्रीमती रूचि पटेरिया अरोरा, सुश्री श्वेता सिंह, सुश्री पूर्वी गुप्ता, श्री काशिष माटा, अनुविभागीय अधिकारी श्री शिवलाल शाक्य, नगर पुलिस अधीक्षक श्री सतनाम सिंह, म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री श्री राजेश जैन, अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी एवं अधिवक्तागण, प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारीगण, न्यायिक कर्मचारीगण, विभिन्न बैंक, बीमा कम्पनियां, विद्युत विभाग एवं विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, खण्डपीठ सदस्यगण इत्यादि उपस्थित रहे। दिनांक 10 मई, 2025 की नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिले में कुल 23 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया। कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात नेशनल लोक अदालत की कार्यवाही गठित खंडपीठों में शाम तक चली, जिसमें राजीनामे के माध्यम से 800 प्रकरणों का निराकरण किया गया। उक्त लोक अदालत में कोर्ट में लंबित 808 मामले निराकरण के लिए रखे गए थे जिसमें से कुल 659 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें कुल 5,64,29,392/-का अवार्ड पारित किया गया। इसी प्रकार कुल 4800 प्रीलिटिगेशन के रखे प्रकरण में से 141 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 30,60,288/- राशि की वसूली की गई। मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा के 08 प्रकरण निराकृत किए गए, जिसमें कुल राशि 27,30,000/- का अवार्ड पारित किया गया। इस लोक अदालत में धारा 138 के अंतर्गत चैक बाउंस के 250 प्रकरण निराकृत किए गए जिसमें कुल राशि रू. 4,37,85,914/- का अवार्ड पारित किया गया।

नेशनल लोक अदालत में कुछ विशेष मामलों का निराकरण भी हुआ- एक मामलें में दंपत्ति के मध्य हिन्दू विवाह अधिनियम की धारा 13 के तहत विवाह विच्छेद का मामला कुटुम्ब न्यायालय चल रहा था। उक्त मामला जब नेशनल लोक अदालत के समक्ष सुनवाई में आया तो, खण्डपीठ क्र. 01 के पीठासीन अधिकारी श्रीमती प्रिया शर्मा की समझाईश पर पति-पत्नी पुन: साथ रहने को सहमत हुये और विगत 02 वर्ष से अलग रह रहे उक्त पति-पत्नी न्यायालय से ही साथ-साथ अपने घर गए। समझौते के दौरान दंपत्ति का 14 वर्ष का बेटा एवं 11 वर्ष की बेटी भी मौजूद रहे। पारिवारिक विवाद के कारण मुस्लिम दंपत्ति करीब 02 वर्ष से अलग रह रहे थे, महिला द्वारा भरण-पोषण के लिए कुटुम्ब न्यायालय में पति के विरूद्ध वाद दायर किया गया, उक्त मामले में लोक अदालत में समझाईश पर एक साथ रहने को हुये सहमत। एक मामलें में मुस्लिम दंपत्ति में पारिवारिक विवाद के कारण पत्नी करीब 02 वर्ष से अपने पति से अलग रह रही थी, पत्नी ने पति के विरूद्ध भरण-पोषण की कार्यवाही हेतु कुटुम्ब न्यायालय में वाद दायर किया। उक्त मामला नेशनल लोक अदालत में सुनवाई में लिया गया, पीठासीन अधिकारी श्रीमती प्रिया शर्मा द्वारा पति व पत्नी के मध्य सुलह कार्यवाही करवाई और समझाने पर पत्नी अपने पति के साथ रहने को सहमत हुई।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-:cmomandsaur@mpurban.gov.in

Phone-07422-405964

ULBCode . 802211

क्रमांक / 1834/स्टोर शाखा/2025 मंदसौर, दिनांक-09.05.2025

:: ई-टेण्डरिंग निविदा आमंत्रण सूचना ::

सर्व संबंधित व्यवसायियों/ फर्मो को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, मंदसौर द्वारा नगर के नगर के कई क्षेत्रो में मच्छरों के प्रकोप से बचने हेतु कीटनाशक दवाई का छिड़काव कराया जाना है। इस हेतु किटनाशक दवाई क्रय की जाना है। जिस हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक व्यवसायीय दुकानकार अपनी अपनी दरे प्रतिनग के मान से प्रस्तुत करे। सामग्री का विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	ऑन लाईन निविदा क्रमाक	सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मुल्य
1	2025 UAD 422231-1	नगर के कई क्षेत्रों में मच्छरों के प्रकोप से बचने हेतु कीटनाशक दवाई का नाम व कम्पनी का नाम निम्नानुसार है। 1 लेम्बड़ा साई हैलाथीन-रीवा 5. टाटा टेलीजइंडिया ली. 2 लेम्बड़ा साई हैलाथीन कराटे सिन्जेन्टा 3 लेम्बड़ा साई हेलाथीन कनोंक डॉउन HPM 4 साइफेनोचीन SEC, गोकिलाहर सुमीटोनो	9.00 लाख	10000.00	2000.00

उपरोक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र फॉर्म सी पर आमंत्रित किया जाना है जिसका विस्तृत विवरण वेबसाईट http:mptender.gov.in पर देखा जा सकता है। उक्त प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम तिथी 30/05/2025 एवं समय 5:30 है।

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सभापति	मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नपा परिषद मंदसौर	नपा परिषद मंदसौर	नपा परिषद मंदसौर	नपा परिषद मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 313880, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in